।। श्री अय्यप्प सहस्रनामावलिः ।।

ॐ शिवपुत्राय नमः

ॐ महातेजसे नमः

ॐ शिवाकार दुरंधराय नमः

ॐ शिवप्रदाय नमः

ॐ शिवज्ञानिने नमः

ॐ शैवधर्मरक्षिताय नमः

ॐ शंखधारिणि नमः

ॐ सुराध्यक्षाय नमः

ॐ चंद्रमौलये नमः

ॐ सुरोत्तमाय नमः १०

ॐ कामेशाय नमः

ॐ कामतेजस्विने नमः

ॐ कामादि फलसंयुताय नमः

ॐ कल्याणाय नमः

ॐ कोमलांगाय नमः

ॐ कल्याणफलदायकाय नमः

ॐ करुणाब्रये नमः

ॐ कर्मदक्षाय नमः

ॐ करुणारससागराय नमः

ॐ जगतियाय नमः २०

ॐ जगद्रक्षकाय नमः

ॐ जगदानंदसंधायकाय नमः

ॐ जयादिशक्ति संसेव्याय नमः

ॐ जनाह्लादाय नमः

ॐ जिगीषुकाय नमः

ॐ जितेंद्रियाय नमः

ॐ जितक्रोधाय नमः

ॐ जितदेवारिसंघकाय नमः

ॐ जैमिन्यादिमुनिसेव्याय नमः

ॐ जरामरणनाशकाय नमः ३०

ॐ जनार्थनसुताय नमः

ॐ ज्येष्ठाय नमः

ॐ ज्येष्ठादिगण सेविताय नमः

ॐ जन्महीनाय नमः

ॐ जितमोहाय नमः

ॐ जनकेभिपूजिताय नमः

ॐ परमेष्ठिने नमः

ॐ पशुपतये नमः

ॐ पंकजाननपूजिताय नमः

ॐ पुरहंत्रे नमः ४०

ॐ पुरत्रात्रे नमः

ॐ परवमैश्वर्यदायकाय नमः

ॐ पवनादिसुरैस्सेव्याय नमः

ॐ पंचब्रह्मपरायणाय नमः

ॐ पार्वतीतनयाय नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ परनंदाय नमः

ॐ परात्पराय नमः

ॐ ब्रह्मिष्ठाय नमः

ॐ ज्ञाननिरताय नमः ५०

ॐ गुणागुणनिरूपकाय नमः

ॐ गुणाध्यक्षाय नमः

ॐ गुणनिधये नमः

ॐ गोपालेनाभिपूजिताय नमः

ॐ गोरक्षकाय नमः

ॐ गोधनदाय नमः

ॐ गजारूढाय नमः

ॐ गजप्रियाय नमः

ॐ गजग्रीवाय नमः

ॐ गजस्कंधाय नमः ६०

ॐ गभस्तये नमः

ॐ गोपतये नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ ग्रामपालाय नमः

ॐ गजाध्यक्षाय नमः

ॐ दिग्गजेनाभिपूजिताय नमः

ॐ गणाध्यक्षाय नमः

ॐ गणपतिये नमः

ॐ गवांपतये नमः

ॐ अहर्पतये नमः ७०

ॐ जटाधराय नमः

ॐ जलनिभाय नमः

ॐ जैमिन्यादिऋषि पूजिताय नमः

ॐ जलंधरनिहंत्रे नमः

ॐ शोणाक्षय नमः

ॐ शोण्णवासकाय नमः

ॐ सुराधिपाय नमः

ॐ शोकहंत्रे नमः

ॐ शोभाक्षाय नमः

ॐ सूर्यतेजसे नमः ८०

ॐ सुरार्चिदाय नमः

ॐ सुरैर्वंत्याय नमः

ॐ शोणंगाय नमः

ॐ शाल्मलीपतये नमः

ॐ सज्योतिषे नमः

ॐ शरवीरघ्नाय नमः

ॐ शरश्चंद्रनिभाननाय नमः

ॐ सनकादिमुनिध्येयाय नमः

ॐ सर्वज्ञानप्रदाय नमः

ॐ विभवे नमः ९०

ॐ हलायुधाय नमः

ॐ हंसनिभाय नमः

ॐ हाहाहूहूमुखस्तुताय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ हरप्रियाय नमः

ॐ हंसाय नमः

ॐ हर्यक्षासनतत्पराय नमः

ॐ पावनाय नमः

ॐ पापकविधाय नमः

ॐ भक्तपापविनाशनाय नमः १००

ॐ भसिंतांगाय नमः

ॐ भयत्रात्रे नमः

ॐ भानुमते नमः

ॐ भयनाशनाय नमः

ॐ त्रिपुंड्रकाय नमः

ॐ त्रिनयनाय नमः

ॐ त्रिपुंड्रांकितमस्तकाय नमः

ॐ त्रिपुरघ्नाय नमः

ॐ देववराय नमः

ॐ देवारिकुलनाशकाय नमः ११०

ॐ देवसेनाधिपाय नमः

ॐ तेजसे नमः

ॐ तेजोराशये नमः

ॐ दशाननघ्नाय नमः

ॐ दारुणाय नमः

ॐ दोषहंत्रे नमः

ॐ दोर्थंडाय नमः

ॐ दंडनायकाय नमः

ॐ धनुष्फाणये नमः

ॐ धनाध्यक्षाय नमः १२०

ॐ धनिकाय नमः

ॐ धर्मवत्सलाय नमः

ॐ धर्मज्ञाय नमः

ॐ धर्मनिरताय नमः

ॐ धनुश्मास्त्रपरायणाय नमः

ॐ स्थूल कंठाय नमः

ॐ स्थूलतनवे नमः

ॐ स्थूलाक्षाय नमः

ॐ स्थूलबाहुकाय नमः

ॐ तसूत्तमाय नमः १३०

ॐ तनुत्राणाय नमः

ॐ तातकाय नमः

ॐ तेजसांपतये नमः

ॐ योगीश्वराय नमः

ॐ योगनिधये नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ योगासन स्थिताय नमः

ॐ मंदारवाटिकाय नमः

ॐ मत्ताय नमः

ॐ मलयालचल वासभुवे नमः १४०

ॐ मंदारसुमप्रख्याय नमः

ॐ मंदमारुत सेविताय नमः

ॐ महाभासाय नमः

ॐ महावक्षसे नमः

ॐ मनोहरदामर्चिताय नमः

ॐ महोन्नताय नमः

ॐ महाकायाय नमः

ॐ महानेत्राय नमः

ॐ महाहवे नमः

ॐ मरुत्पूज्याय नमः १५०

ॐ मानधनाय नमः

ॐ मोहनाय नमः

ॐ मोक्षदायकाय नमः

ॐ मित्राय नमः

ॐ मेधायै नमः

ॐ महौजस्विने नमः

ॐ महावर्षप्रदायकाय नमः

ॐ भाषकाय नमः

ॐ भाष्यशास्त्रज्ञाय नमः

ॐ भानुमते नमः १६०

ॐ भानु तेजसे नमः

ॐ भवानीपुत्राय नमः

ॐ भीषजे नमः

ॐ भवतारण कारणाय नमः

ॐ नीलांबराय नमः

ॐ नीलनिभाय नमः

ॐ नीलग्रीवाय नमः

ॐ निरंजनाय नमः

ॐ नेत्रत्रयाय नमः

ॐ निषादज्ञाय नमः १७०

ॐ नानारत्नोपशोभिताय नमः

ॐ रत्नप्रधाय नमः

ॐ रमापुत्राय नमः

ॐ रमायासतोषिताय नमः

ॐ राजधसेव्वाय नमः

ॐ रजधनाय नमः

ॐ रणदोर्जडमंडिताय नमः

ॐ रमणाय नमः

ॐ रेणुकासेव्याय नमः

ॐ रणनीचरदारुणाय नमः १८०

ॐ ईशानाय नमः

ॐ भथराड् सेव्याय नमः

ॐ ईषणत्रयनावनाय नमः

ॐ इडावासाय नमः

ॐ हेमनिभाय नमः

ॐ हैमप्राकारशोभिताय नमः

ॐ हरिहरात्मजाय नमः

ॐ हंसाय नमः

ॐ हयग्रीय नमः

ॐ हयप्रियाय नमः १९०

ॐ हाटस्फटिक प्रख्याय नमः

ॐ हंसरूढेन सेविताय नमः

ॐ वनवासाय नमः

ॐ वनाध्यक्षाय नमः

ॐ वामधेवाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ विराड्रूपाय नमः

ॐ विशालवते नमः २००

ॐ वरग्रीवाय नमः

ॐ वरभयकरान्विताय नमः

ॐ वर्चस्विने नमः

ॐ विपुलग्रीवाय नमः

ॐ विपुलाक्षाय नमः

ॐ विनोदवते नमः

ॐ वैणवारण्यवासाय नमः

ॐ वासुदेवेनसेविताय नमः

ॐ वेत्रहसताय नमः २१०

ॐ वेदनिधये नमः

ॐ वंशदेवाय नमः

ॐ वरांकाय नमः

ॐ ह्रींकारय नमः

ॐ हृष्णाय नमः

ॐ हिरण्याय नमः

ॐ हेमसंभवाय नमः

ॐ हुताशाय नमः

ॐ हुतनिष्पन्नाय नमः २२०

ॐ हुंकाराकृतीसुप्रभाय नमः

ॐ हव्यवाहाय नमः

ॐ हव्यकराय नमः

ॐ अट्टहासाय नमः

ॐ अपराजिताय नमः

ॐ अणुरूपाय नमः

ॐ रूपकराय नमः

ॐ अजराय नमः

ॐ अननुरूपकाय नमः

ॐ हंसमंत्राय नमः २३०

ॐ हुतभुजे नमः

ॐ हेमंबराय नमः

ॐ सुलक्षणाय नमः

ॐ नीवप्रियाय नमः

ॐ नीलवाससे नमः

ॐ निधिपालाय नमः

ॐ निरातपाय नमः

ॐ क्रोडहस्ताय नमः

ॐ तपस्त्रात्रे नमः

ॐ तपोरक्षाय नमः २४०

ॐ तपाह्वायाय नमः

ॐ मूर्धाभिषिक्ताय नमः

ॐ मानधनाय नमः

ॐ मंत्ररूपाय नमः

ॐ मृडाय नमः

ॐ मेधासोमुष्णवे नमः

ॐ मकराय नमः

ॐ मकरालयाय नमः २५०

ॐ हार्तांडाय नमः

ॐ मंजुकेशाय नमः

ॐ मानपालाय वनमः

ॐ महौषधये नमः

ॐ श्रोत्रियाय नमः

ॐ शोभमानाय नमः

ॐ पवित्रे नमः

ॐ सर्वदेशिकायव नमः

ॐ चंद्रहासाय नमः

ॐ शमाय नमः २६०

ॐ शक्ताय नमः

ॐ शशिभासांगाय नमः

ॐ समाधिकाय नमः

ॐ सुदंडाय नमः

ॐ सुकपोलाय नमः

ॐ षड्वर्णाय नमः

ॐ संपदोधिपाय नमः

ॐ गरलाय नमः

ॐ कालकंठाय नमः

ॐ गोनेत्रे नमः २७०

ॐ मुखप्रभवे नमः

ॐ काशिकाय नमः

ॐ कालत्वाय नमः

ॐ म्रोशकाय नमः

ॐ क्रौंचभेदकाय नमः

ॐ घनवे नमः

ॐ मेथाविने नमः

ॐ करवीररुहाय नमः

ॐ कंदर्पदर्पहारिणे नमः

ॐ कामधात्रे नमः २८०

ॐ कपालकाय नमः

ॐ कैलासवासाय नमः

ॐ वरदाय नमः

ॐ विलोचनाय नमः

ॐ विभावसवे नमः

ॐ बभ्रुवाहाय नमः

ॐ बलाध्यक्षाय नमः

ॐ फणाफणिविभूषणाय नमः

ॐ सुंदराय नमः

ॐ सुमुखाय नमः २९०

ॐ स्वच्छाय नमः

ॐ सभासदे नमः

ॐ सभाकराय नमः

ॐ शंक्राप्ताय नमः

ॐ शरनिवृत्ताय नमः

ॐ शरनागतपालकाय नमः

ॐ तीक्षणदंष्ट्राय नमः

ॐ दीर्घ जिह्वाय नमः

ॐ पिंगलाक्षाय नमः

ॐ पिशाचघ्ने नमः ३००

ॐ अखेद्याय नमः

ॐ अंग्रधार्दाय नमः

ॐ भोजपालाय नमः

ॐ क्रियाकराय नमः

ॐ कृपालवे नमः

ॐ अनिषह्याय नमः

ॐ दिग्धेहाय नमः

ॐ दैन्यदाहकाय नमः

ॐ बडबापूरितमुखाय नमः

ॐ व्यापकाय नमः ३१०

ॐ विषमोचकामु नमः

ॐ वसंताय नमः

ॐ पुंगवाय नमः

ॐ पंकजासनाय नमः

ॐ विश्वदर्पाय नमः

ॐ निश्चितज्ञाय नमः

ॐ नागाभरणभूषिताय नमः

ॐ भरताय नमः

ॐ भैरवाकाराय नमः

ॐ भरणाय नमः ३२०

ॐ वामनक्रियाय नमः

ॐ संहिस्याय नमः

ॐ सिंहरूपाय नमः

ॐ सेनावतये नमः

ॐ सहकाराय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ सिद्धरूपिणे नमः

ॐ सिद्धध्मपरायणाय नमः

ॐ आदित्यरूपाय नमः

ॐ आवत्घ्नाय नमः ३३०

ॐ भूपतये नमः

ॐ गृध्रनासाय नमः

ॐ योगिवर्याय नमः

ॐ उषस्तेजसे नमः

ॐ उडुप्रभाय नमः

ॐ देवादिदेवाय नमः

ॐ दैवज्ञाय नमः

ॐ पिंछचूडाय नमः

ॐ फणामणिविभूषिताय नमः

ॐ भुजंगभूषणाय नमः

ॐ भोगाय नमः

ॐ थोगनंदकराय नमः

ॐ अभयाय नमः

ॐ पंचहस्तेन संपूज्याय नमः

ॐ पंचबाणेन सेविताय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ सर्वाय नमः ३५०

ॐ भानुमयाय नमः

ॐ प्रजापत्य स्वरूपकाय नमः

ॐ स्वच्छंदाय नमः

ॐ चंदश्शास्त्रज्ञाय नमः

ॐ दांताय नमः

ॐ देवमनु प्रभवे नमः

ॐ दशभुजे नमः

ॐ अमृताब्धिनिवासभुवे नमः

ॐ युवराजाय नमः

ॐ शतनिष्पन्नाय नमः ३६०

ॐ शतानंदसमागमाय नमः

ॐ गृध्रादिवासाय नमः

ॐ गंभीराय नमः

ॐ गंधग्राहाय नमः

ॐ गणश्वराय नमः

ॐ गोमेधाय नमः

ॐ गंडकावासाय नमः

ॐ गोकुलैः परिवारिताय नमः

ॐ परिवेषाय नमः

ॐ पदज्ञानिने नमः ३७०

ॐ प्रियंगुद्रुमवानकाय नमः

ॐ गुहावासाय नमः

ॐ गुरुवराय नमः

ॐ वंदनीयाय नमः

ॐ वदान्यकाय नमः

ॐ वृत्ताकाराय नमः

ॐ वेणुपाणये नमः

ॐ वीणादंडधराय नमः

ॐ हराय नमः

ॐ हैमील्याय नमः ३८०

ॐ होतृसुभगाय नमः

ॐ हौत्रज्ञाय नमः

ॐ ओजसांपतये नमः

ॐ पवमानाय नमः

ॐ दशाध्याक्षाय नमः

ॐ दानवानांविनाशनाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ निमिषार्धज्ञाय नमः

ॐ निमिषाकार कारणाय नमः

ॐ विगूढाय नमः ३९०

ॐ लीढाकाराय नमः

ॐ लक्ष्मीवंद्याय नमः

ॐ वरप्रभवे नमः

ॐ इडज्ञाय नमः

ॐ पिंगलावासाय नमः

ॐ सुषुम्ना मध्य संभवाय नमः

ॐ भिक्षाटनाय नमः

ॐ भीमवर्चने नमः

ॐ वरकीर्तये नमः

ॐ नभेश्वराय नमः ४००

ॐ वांछातीताय नमः

ॐ वरनिधये नमः

ॐ परिनेत्ते नमः

ॐ प्रमाणकाय नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः

ॐ अनिरुद्धाय नमः

ॐ अनंतादित्यवर्चसे नमः

ॐ वेष प्रियाय नमः

ॐ निषग्राहाय नमः

ॐ वरदानकरोत्तमाय नमः ४१०

ॐ विसिनाय नमः

ॐ वेदसाराय नमः

ॐ प्रजातंतुप्रदाय नमः

ॐ दंडविनाशनाय नमः

ॐ निमील्याय नमः

ॐ बलदात्रे नमः

ॐ विमानवते नमः

ॐ वज्रकांडाय ऊए मः

ॐ वंशवराय नमः

ॐ वटरक्षा विशारदाय नमः ४२०

ॐ विप्रक्रीडाय नमः

ॐ विप्रपूज्याय नमः

ॐ वेलाराशये नमः

ॐ चलालकाय नमः

ॐ कोलाहलाय नमः

ॐ क्रोडनेत्राय नमः

ॐ क्रोडास्याय नमः

ॐ कपाल भृते नमः

ॐ खंजरीनटाय नमः

ॐ मंजुवाससे नमः ४३०

ॐ क्रियमानाय नमः

ॐ क्रिया प्रदाय नमः

ॐ क्रीडानाधाय नमः

ॐ केलिहस्ताय नमः

ॐ क्रोशमानाय नमः

ॐ कुलांतकाय नमः

ॐ खनकाय नमः

ॐ होतृभारिने नमः

ॐ खवासाय नमः

ॐ खचराय नमः ४४०

ॐ वेदांतैः परितोषिताय नमः

ॐ वक्रागमाय नमः

ॐ वक्रवचसे नमः

ॐ गुणत्यागिने नमः

ॐ कुशाधिपाय नमः

ॐ पाटलाय नमः

ॐ पत्रधारिणे नमः

ॐ पुत्रिवर्थनाय नमः

ॐ पितृसच्चरिताय नमः ४५०

ॐ पौष्टये नमः

ॐ पापभस्मने नमः

ॐ फालनेत्राय नमः

ॐ पुल्लकेशाय नमः

ॐ पुल्लकयरीग्हत्हरभूषिताय नमः

ॐ फणि सेव्याय नमः

ॐ पट्टभ्रदया नमः

ॐ वटवे नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ वयोधिकाय नमः ४६०

ॐ चोरनाथ्याय नमः

ॐ चोरघ्नाय नमः

ॐ चौर्यवर्धनाय नमः

ॐ चंचलाक्षाय नमः

ॐ चामरकाय नमः

ॐ मदगामिकाय नमः

ॐ खगय नमः

ॐ गुणकाय नमः ४७०

ॐ गुण निर्धुष्टाय नमः

ॐ मोचकाय नमः

ॐ मनसे नमः

ॐ मनरूपाय नमः

ॐ मंत्रदेवाय नमः

ॐ मंत्रराशये नमः

ॐ महाधृडाय नमः

ॐ स्तूपज्ञाय नमः

ॐ धनदात्रे नमः

ॐ देववंद्याय नमः ४८०

ॐ तारणाय नमः

ॐ यज्ञप्रियाय नमः

ॐ यमाध्यक्षाय नमः

ॐ इभक्रीडाय नमः

ॐ इभेक्षणाय नमः

ॐ दधिप्रियाय नमः

ॐ दुराधर्षाय नमः

ॐ दारुपात्लाय नमः

ॐ दनुजघ्ने नमः

ॐ रामोदराय नमः ४९०

ॐ दक्षिणामूर्तिरूपकाय नमः

ॐ शचीपूज्याय नमः

ॐ शंखकर्णाय नमः

ॐ चंद्रचूडाय नमः

ॐ मनुप्रियाय नमः

ॐ मृडाभाय नमः

ॐ मेषवाहनाय नमः

ॐ मैधिल्याय नमः

ॐ कालकंठाय नमः

ॐ गाढगात्राय नमः ५००

ॐ गोत्ररूपाय नमः

ॐ कुलेश्वराय नमः

ॐ आनंदभैरवाराध्याय नमः

ॐ हयमेधवल पदाय नमः

ॐ दध्यन्नासक्त हृदयाय नमः

ॐ गुडान्न प्रीतमानसाय नमः

ॐ घृतान्नसक्तहृदयाय नमः

ॐ गौरंगाय नमः

ॐ गर्वभंजकाय नमः

ॐ गणेशपूज्याय नमः ५१०

ॐ गगनाय नमः

ॐ गणानांपकये नमः

ॐ गर्जिताय नमः

ॐ भस्महिनाय नमः

ॐ शशिधराय नमः

ॐ शत्रूणांपतये नमः

ॐ अंगिरसे नमः

ॐ चराचरमयाय नमः

ॐ शांताय नमः

ॐ शंभेशाय नमः ५२०

ॐ शतातपाय नमः

ॐ वीराराध्याय नमः

ॐ वक्रगमनाय नमः

ॐ गडरूपाय नमः

ॐ गुडाकेशाय नमः

ॐ कुलधर्मपरायणाय नमः

ॐ परमेशाय नमः

ॐ प्रजापतये नमः

ॐ भावज्ञाय नमः

ॐ रवरोगघ्नाय नमः ५३०

ॐ भवसागर तारणाय नमः

ॐ चिदग्निदेहाय नमः

ॐ चिदूपाय नमः

ॐ चिदानंदाय नमः

ॐ चिदाकृतये नमः

ॐ नाट्यप्रियाय नमः

ॐ नरपतये नमः

ॐ नरनारायणार्चिताय नमः

ॐ निषादराजाय नमः

ॐ नीहाराय नमः ५४०

ॐ नौष्ट्रे नमः

ॐ निष्ठुरभाषणाय नमः

ॐ निम्न प्रियाय नमः

ॐ नीलनेत्राय नमः

ॐ नीलांगाय नमः

ॐ सिंहाक्षाय नमः

ॐ सर्वविघ्नेशाय नमः

ॐ सामवेदपरायाणाय नमः

ॐ सनकादि समराध्याय नमः

ॐ सर्वेशाय नमः ५५०

ॐ वेदांगाय नमः

ॐ पर्वतारोहणाय नमः

ॐ पूष्णे नमः

ॐ स्वर्गाय नमः

ॐ शचीनादेनपूजिताय नमः

ॐ काकिनाय नमः

ॐ कामदाहनाय नमः

ॐ दग्दपापाय नमः

ॐ धराधिपाय नमः

ॐ दामग्रंधिने नमः५६०

ॐ शतप्तेशाय नमः

ॐ तंत्रीपालाय नमः

ॐ तारकाय नमः

ॐ ताम्राक्षाय नमः

ॐ तीक्षणदंष्ट्राय नमः

ॐ तिलभोज्याय नमः

ॐ तिलोदराय नमः

ॐ मांडुकर्णाय नमः

ॐ मृडाधीशाय नमः

ॐ मेघवर्णाय नमः ५७०

ॐ महोदराय नमः

ॐ मर्ताडभैरवाराध्याय नमः

ॐ मणिरूपाय नमः

ॐ मरुद्वहाय नमः

ॐ माषप्रियाय नमः

ॐ मधुपानाय नमः

ॐ मृणालाय नमः

ॐ मोहिनी पतये नमः

ॐ षडननाय नमः

ॐ सुरूपाय नमः ५८०

ॐ नुलबाय नमः

ॐ मूलाधारंबुजावाय नमः

ॐ मूलविद्या स्वरूपाय नमः

ॐ स्वादिष्ठानमयाय नमः

ॐ स्वस्थाय नमः

ॐ स्वस्तिवाक्याय नमः

ॐ सुवायुधाय नमः

ॐ मणिपूराब्ज निलयाय नमः

ॐ महाभैरवपूजिताय नमः

ॐ अनाहताब्जरसिकाय नमः ५९०

ॐ ह्रींकाररससेशताय नमः

ॐ भ्रूमध्यवासाय नमः

ॐ भ्रू कांताय नमः

ॐ भरद्वाजेन पूजिताय नमः

ॐ सहस्र सारांबुजवासाय नमः

ॐ पवित्रे नमः

ॐ सामवाचकाय नमः

ॐ मुकुंदाय नमः

ॐ गुणातीताय नमः

ॐ गुणपूज्याय नमः ६००

ॐ गुणाश्रयाय नमः

ॐ दन्याय नमः

ॐ धनभृते नमः

ॐ दाहाय नमः

ॐ धनदान करांबुजाय नमः

ॐ महाशयाय नमः

ॐ माधवाय नमः

ॐ मदगर्विताय नमः

ॐ महाकामेशनयनाय नमः

ॐ माट्टराय नमः ६१०

ॐ मोक्षिफलदाय नमः

ॐ मद्वैरिकुल नाशनाय नमः

ॐ पिंगलाय नमः

ॐ पिंछ चूडाय नमः

ॐ पिशिताश पवित्रकाय नमः

ॐ सायसान्न प्रियाय नमः

ॐ पर्वपक्षमास विभासकाय नमः

ॐ वज्रभूषाय नमः

ॐ वज्रकायाय नमः

ॐ विरिंचाय नमः ६२०

ॐ वरवक्षसे नमः

ॐ विज्ञान कलिकाबृंदाय नमः

ॐ विश्वरूप प्रदर्शकाय नमः

ॐ दंभघ्नाय नमः

ॐ दमघोषघ्नयाय नमः

ॐ दासपालाय नमः

ॐ तपौजसे नमः

ॐ द्रोण कुंभाभिषिक्ताय नमः

ॐ द्रोहिनाशनाय नमः

ॐ तपातुराय नमः ६३०

ॐ महावीरेंद्र वरदाय नमः

ॐ महा संसार नाशनाय नमः

ॐ लाकिनी हाकिनी लब्दाय नमः

ॐ लवणांभोधितारणाय नमः

ॐ काकिलाय नमः

ॐ महातीताय नमः

ॐ मायाहिनाय नमः

ॐ मदारिऐफ्र णचताय नमः

ॐ मोचकाय नमः

ॐ भगराध्याय नमः ६४०

ॐ बृहत्तनवे नमः

ॐ अक्षयाय नमः

ॐ अक्रूर वरदाय नमः

ॐ वक्रागम विनाशकाय नमः

ॐ ढाकिनाय नमः

ॐ सूर्यतेजस्विने नमः

ॐ सर्पभूषाय नमः

ॐ सद्गुरवे नमः

ॐ स्वतंत्राय नमः

ॐ सर्वतंत्रेशाय नमः ६५०

ॐ दक्षिणादिगदीश्वराय नमः

ॐ सच्चिदानंद कलिकाय नमः

ॐ प्रेमरूपाय नमः

ॐ प्रियांकराय नमः

ॐ मध्यागजदधिष्टानाय नमः

ॐ मुक्तिदाय नमः

ॐ मुक्तिरूपकाय नमः

ॐ मुमुक्षवे नमः

ॐ कर्मफलदाय नमः

ॐ मार्गदक्षाय नमः ६६०

ॐ कर्मराय नमः

ॐ महाबुद्धाय नमः

ॐ महाशुद्धाय नमः

ॐ शुकवर्णाय नमः

ॐ कालपाशघ्नाय नमः

ॐ कर्मबंधविमोचकाय नमः

ॐ सर्वप्रीताय नमः

ॐ सर्वाराधन तत्पराय नमः

ॐ अजपाय नमः

ॐ जनहंसाय नमः ६७०

ॐ फलपाणि प्रजूपिताय नमः

ॐ अर्चिताय नमः

ॐ पर्चसे नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ वीरवेषाय नमः

ॐ विधुप्रियाय नमः

ॐ लास्यप्रियाय नमः

ॐ लयकराय नमः

ॐ लाभालाभविवर्जिताय नमः

ॐ पंचननाय नमः ६७०

ॐ पलपगुरवे नमः

ॐ पंचयज्ञ फलप्रदाय नमः

ॐ पाशवास्ताय नमः

ॐ पापकेशाय नमः

ॐ पर्जन्यपचुगर्जिताय नमः

ॐ पापारये नमः

ॐ परमोदाराय नमः

ॐ प्रणेशाय नमः

ॐ पंकनाशनाय नमः

ॐ नष्टकर्मणे नमः ६८०

ॐ नस्टवैराय नमः

ॐ इष्टसिद्धिप्रदायकाय नमः

ॐ शुकप्रियाय नमः

ॐ सौमप्रियाय नमः

ॐ इष्टनामविधायकाय नमः

ॐ सोमरस्याय नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः

ॐ पाषंडिने नमः

ॐ पर्वत प्रियाय नमः

ॐ पंचकृत्य परोपेताय नमः ६९०

ॐ पंचपंचाधिशायिका नमः

ॐ पद्माक्षाय नमः

ॐ पद्मवदनाय नमः

ॐ पापकाभाय नमः

ॐ प्रियंकराय नमः

ॐ कार्तस्वरांगाय नमः

ॐ गौरांगाय नमः

ॐ गौरीपुत्राय नमः

ॐ धनेश्वराय नमः

ॐ अश्लिष्टाय नमः ७००

ॐ शिष्टदेहाय नमः

ॐ शितंशवे नमः

ॐ शुभदीधितये नमः

ॐ दक्ष द्यसाय नमः

ॐ दक्षकराय नमः

ॐ पराय नमः

ॐ कात्यायिनीसुताय नमः

ॐ मार्गणाय नमः

ॐ सुमुखाय नमः

ॐ गर्भाय नमः ७१०

ॐ नागाधीशाय नमः

ॐ नष्टपापाय नमः

ॐ कुलपाल पतये नमः

ॐ श्रेष्ठाय नमः

ॐ पवमानय नमः

ॐ प्रजादिपाय नमः

ॐ दर्शप्रियाय नमः

ॐ नर्विकाराय नमः

ॐ दीर्घकायाय नमः

ॐ दिवाकराय नमः ७२०

ॐ भेरिनाद प्रियाय नमः

ॐ बृंदाय नमः

ॐ जृहत्सेनाय नमः

ॐ सुपालजाय नमः

ॐ सुब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मरसिकाय नमः

ॐ रसज्ञाय नमः

ॐ रजतादृिभासे नमः

ॐ तमिरघ्नाय नमः

ॐ मिहिराभाय नमः ७३०

ॐ महानील समप्रभाय नमः

ॐ श्री चंदन विलिप्तांगाय नमः

ॐ श्री पुत्राय नमः

ॐ श्री तरुप्रियाय नमः

ॐ श्री लक्षावर्णाय नमः

ॐ श्री लसत् कर्णाय नमः

ॐ रजनी ध्वंसि सन्निभाय नमः

ॐ गर्वभंगाय नमः

ॐ कुशासनाय नमः

ॐ बलनायकाय नमः ७४०

ॐ आपन्न तारकाय नमः

ॐ तप्ताय नमः

ॐ तप्तकृच्रफल प्रदाय नमः

ॐ मरत् वृद्धाय नमः

ॐ महाखर्वाय नमः

ॐ चीरवासवे नमः

ॐ शिखिप्रियाय नमः

ॐ आयुष्मते नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ भूताय नमः ७५०

ॐ आयुर्वेद परायणे नमः

ॐ हंसाय नमः

ॐ परम हंसाय नमः

ॐ अवधूताश्रम प्रियाय नमः

ॐ अश्ववेगाय नमः

ॐ अश्वहृदयाय नमः

ॐ हयधैर्य फलप्रदाय नमः

ॐ सुमुखाय नमः

ॐ दुर्मुखाय नमः

ॐ विघ्नाय नमः ७६०

ॐ निर्विघ्नाय नमः

ॐ विघ्ननाशनाय नमः

ॐ आर्याय नमः

ॐ नाथाय नमः

ॐ बिंदु प्रियाय नमः

ॐ अंबिका पुत्राय नमः

ॐ बैंदवाय नमः

ॐ आरातिघ्नाय नमः

ॐ घनग्रीवाय नमः

ॐ ग्रीष्मसूर्य समप्रभा नमः ७७०

ॐ किरीटने नमः

ॐ कल्पशास्त्रज्ञाय नमः

ॐ कल्पानल विधायकाय नमः

ॐ ज्ञानविज्ञान फलदाय नमः

ॐ विरिंचारि विनाशनाय नमः

ॐ वीरबाहुवे नमः

ॐ पूर्वजाय नमः

ॐ वीरसिंहासनाय नमः

ॐ विज्ञाय नमः

ॐ वीरकार्याय नमः ७८०

ॐ अस्त्रदानवाय नमः

ॐ नरवीर सुहृत् भ्रात्रे नमः

ॐ नागरत्न विभूषिता नमः

ॐ वाचस्पतये नमः

ॐ पुरारातये नमः

ॐ संवर्ताय नमः

ॐ समरेश्वराय नमः

ॐ उरुवाग्निने नमः

ॐ उमापुत्राय नमः

ॐ उडुलोक सुररक्षाकाय नमः ७९०

ॐ शृंगाररस संपूर्णाय नमः

ॐ आर्यमाभाषाय नमः

ॐ पाल्गुनाय नमः

ॐ नीताय नमः

ॐ नागगंधर्व पूजिताय नमः

ॐ सुस्वप्न बोधकाय नमः

ॐ बोधाय नमः

ॐ गौरी दुस्वप्न नाशनाय नमः

ॐ चिंता परिध्वंसिने नमः

ॐ चिंतामणि विभूषिताय नमः ८००

ॐ चराचरगजत् स्रष्ट्रे नमः

ॐ चलत् कुंडल कर्णयुजे नमः

ॐ मुकुरास्याय नमः

ॐ मूलनिधये नमः

ॐ निधिद्वयनिषेविताय नमः

ॐ नीराजन प्रीतिमनसे नमः

ॐ नीलनेत्राय नमः

ॐ नयप्रदाय नमः

ॐ केदारेशाय नमः

ॐ किराताय नमः ८१०

ॐ कालत्मने नमः

ॐ कल्पविग्रहाय नमः

ॐ कल्पांत भैरवाराध्याय नमः

ॐ कंकपत्र शरायुधाय नमः

ॐ ऋतुवर्षादि मानवे नमः

ॐ दिनेवमंडलावासाय नमः

ॐ सिंधूर तिल कांकिताय नमः

ॐ कुंकुमांकित सर्वांगाय नमः

ॐ कालकेय विनाशनाय नमः ८२०

ॐ मत्तनाग प्रियाय नमः

ॐ चिदाक्रांताय नमः

ॐ चारायपालाय नमः

ॐ बलायुधाय नमः

ॐ ओंधूक कुसुमप्ररूय्याय नमः

ॐ परगर्वविंजनाय नमः

ॐ विद्वत्तमाय नमः

ॐ विरादघ्नाय नमः

ॐ सचित्राय नमः

ॐ संगीतलोलुपमनवे नमः ८३०

ॐ स्निग्धगंभीर गर्जिताय नमः

ॐ तुंगवक्ताय नमः

ॐ स्तवरसाय नमः

ॐ आभ्राभाय नमः

ॐ भ्रमरेक्षणाय नमः

ॐ लीलाकमलहस्ताब्जाय नमः

ॐ बालकंदविभूषिताय नमः

ॐ रोद्रप्रसवदुग्दाभाय नमः

ॐ शिरीषकुसुम प्रियाय नमः

ॐ त्रसत्राणकराय नमः ८४०

ॐ त्रसत्राणकराय नमः

ॐ तत्वाय नमः

ॐ तत्ववाक्यार्धबोधकाय नमः

ॐ पह्लफ़ित्तरियसे नमः

ॐ विधातव्याय नमः

ॐ वेदमुखाय नमः

ॐ वासवेन प्रपूजिताय नमः

ॐ बहुलास्तंब कर्मज्ञाय नमः

ॐ पंचाशद्वर्णरूपकाय नमः

ॐ चिंताहीनाय नमः ८५०

ॐ अक्षयफलाय नमः

ॐ पाणिजन्मने नमः

ॐ पराजिताय नमः

ॐ गानप्रियाय नमः

ॐ गानलोलाय नमः

ॐ महेशाय नमः

ॐ विज्ञमानसाय नमः

ॐ गिरीजस्तन्यरसिकाय नमः

ॐ गिरिराजवरस्तुताय नमः

ॐ पीयूषकुंभहस्ताबाय नमः ८६०

ॐ पाव्यत्यागिने नमः

ॐ चिरंतनाय नमः

ॐ सुधालालसवक्ताब्जाय नमः

ॐ सुरद्रमफलेप्सित्साय नमः

ॐ रात्नहाटकभूषांगाय नमः

ॐ रवणाधि प्रपूजिताय नमः

ॐ कनत्कालेयसुप्रीताय नमः

ॐ क्रौंचगर्वविनाशकाय नमः

ॐ अशेषजनसम्मोहाय नमः

ॐ आयुरिद्याफलप्रदाय नमः ८७०

ॐ अवबद्धदुकूलांगाय नमः

ॐ हारालंकृतकंधराय नमः

ॐ केतकीकुसुमप्रीताय नमः

ॐ कलभैंपरिवारिवाताय नमः

ॐ चारुमंडलमध्यगाय नमः

ॐ वीरनूपुरपादाब्जाय नमः

ॐ वीरकंकणपाणिमते नमः

ॐ वेदांत प्रतिपादकाय नमः

ॐ चमरीमृगसेविताय नमः

ॐ अम्रकूटा द्रिपंचारिणे नमः ८८०

ॐ आम्नायफलदायकाय नमः

ॐ अक्षसूत्रधृतपाणये नमः

ॐ अक्षरोगविनाशनाय नमः

ॐ मुकुंदपूज्याय नमः

ॐ मोहांगाय नमः

ॐ मुनिमानस संतोषिताय नमः

ॐ तैलाभिषिक्तसुशिरसे नमः

ॐ तर्णनीमुक्रदिकायुताय नमः

ॐ तटाकामनः प्रीताय नमः

ॐ तमोगुणविनाशय नमः ८९०

ॐ अनामयाय नमः

ॐ अनादर्शाय नमः

ॐ अर्षनाभहृत् प्रियाय नमः

ॐ पाद्युगण्य दिपूर्णाय नमः

ॐ सप्ताम्बादिग्र हैस्तुताय नमः

ॐ वीतशोकाय नमः

ॐ प्रसादज्ञाय नमः

ॐ सप्तप्राणवरदाय नमः

ॐ सप्तार्चिषे नमः

ॐ त्रिनयनाय नमः १००

ॐ त्रिवेनीफलदायकाय नमः

ॐ कृष्णवर्तने नमः

ॐ वेदमुखाय नमः

ॐ केकाप्रियाय नमः

ॐ कार्तिकेयाय नमः

ॐ सारंगनिनाध प्रियाय नमः

ॐ चादकालपसंतुष्टाय नमः

ॐ विश्वमूर्तये नमः

ॐ शुद्धमुखाय नमः

ॐ शुद्धभस्मानुलेपनाय नमः ११०

ॐ शुंभध्वंसिनीसंपूज्याय नमः

ॐ रक्तकुंभ कुलांतकाय नमः

ॐ निषादादिसुर प्रीताय नमः

ॐ नमस्कारफलप्रदाय नमः

ॐ भक्तारिप्रपंचतादायिने नमः

ॐ सज्जीकृतसर्वायुधाय नमः

ॐ अभयंरमंतज्ञानाय नमः

ॐ कुब्जिकामंत्रविग्रहाय नमः

ॐ दूम्रास्त्राय उग्रतेजस्विने नमः

ॐ दशकंठविनाशनाय नमः ९२०

ॐ आशुगायुधहस्ताब्जाय नमः

ॐ गदायधकरांबुजाय नमः

ॐ पाशायुधसुपाणये नमः

ॐ कपालायुधसङ्गुजाय नमः

ॐ सह सशीर्षवदनाय नमः

ॐ सहस्रद्वयलोचनाय नमः

ॐ नानाहेतये नमः

ॐ दमष्पाणये नमः

ॐ नानस्थिभूषण प्रियाय नमः

ॐ आश्यामकोमलतनवे नमः ९३०

ॐ असक्तापांगलोचनाय नमः

ॐ चारुमंडलमध्यगाय नमः

ॐ वीरनूपुरपादाब्जाय नमः

ॐ वीरकंकण पाणिमते नमः

ॐ चयनादि फलप्रदाय नमः

ॐ पशुबंधफलप्रदात्रे नमः

ॐ वाजपेयात्मदैवताय नमः

ॐ अब्रह्मकीटजननावनात्मने नमः

ॐ चंपक प्रियाय नमः

ॐ पशुपाशविभागज्ञाय नमः १४०

ॐ परिज्ञान प्रदायकाय नमः

ॐ कल्पेश्वराय नमः

ॐ जातवेदसे नमः

ॐ प्रभाकराय नमः

ॐ कुंभीश्वराय नमः

ॐ कुंणपाणये नमः

ॐ कुंकुमात्तललाटकाय नमः

ॐ शृलींद्रपत्रसंकाशाय नमः

ॐ सिंहवक्त्रप्रमर्धनाय नमः

ॐ कोकिलध्वनिताकर्णिने नमः १५०

ॐ कालनाशनतत्पराय नमः

ॐ नैयायिकर मतघ्नाय नमः

ॐ बौद्धसंघविनाशनाय नमः

ॐ हेमब्जादृतपाणये नमः

ॐ पितृयज्ञस्वफलदाय नमः

ॐ पितेवजनरक्षकाय नमः

ॐ पदातिकर्मनिरताय नमः

ॐ द्वादशाह क्रतुप्रीताय नमः

ॐ पौंडरीकफलप्रदाय नमः

ॐ अप्तोर्यामक्रतुमयाय नमः १६०

ॐ वृषदाज्यप्रदायकाय नमः

ॐ महासुरवधोदयुक्ताय नमः

ॐ स्वास्त्रप्रत्यस्त्रवर्षकाय नमः

ॐ महावर्षतिरोधाय नमः

ॐ नागादृतकरांबुजाय नमः

ॐ नमःस्वाहावषट्नौषट् पल्लव नमः

ॐ प्रतिपादकाय नमः

ॐ महीरनदृशग्रीवाय नमः

ॐ तंत्रीवादनहस्ताग्राय नमः

ॐ संगीत प्रियमानसाय नमः १७०

ॐ चिदंशमुकुरावासाय नमः

ॐ मणिकूटा दिसंचाराय नमः

ॐ लीलासंचारितनूकाय नमः

ॐ लिंगशास्त्रप्रवर्तकाय नमः

ॐ राकेंदुदयुतिसंपन्नाय नमः

ॐ यागकर्मफलप्रदाय नमः

ॐ मैनाकगिरिसंचाराय नमः

ॐ मधुवंशिविनाशनाय नमः

ॐ तालखंडपुरावासाय नमः

ॐ तमालनिभतेजसे नमः १८०

ॐ हरिहरात्मजाय नमः

ॐ घृलिनमःरायः नमः

ॐ गोप्त्रे नमः १८३

श्री हरिहरपुत्र सहप्रनामावं संपूर्ण